created a Panchayati Raj *biradari.* We have listed around 150 action points, which all of us have agreed to, and this constitutes a national consensus.

महोदय, अब हमें पता है कि कि मंजिल कौनसी है? उस मंजिल तक पहुचंने के लिए पथ कौन सा है? उस पथ के सिलसिले मे हम जानते हैं कि 18 अलग-अलग मुकाम है, जिनको कि हमें पार करना है। इन 18 मुकामों को पार करने के लिए तकरीबन 150 ठोस कदम है, जिनको हमें उठाना है और इस प चमत्कार यह है कि राष्ट्रीय-स्तर पर सर्व-सहमति है और कोई यह नहीं कह रहा है कि यह नहीं करना चाहिए। इस आधार पर अब मैं हर महीने एक राज्य या यूनियन टेरीटरी में जाने का प्रयास कर रहा हूं। पिछले 12 महीने मे मैं 12 राज्यों में हो आया हूं। वहां अंत में हम वहां के मुख्य मंत्री के साथ बैठकर एक मैमोरंडम आफॅ स्टेडिंग पर हस्ताक्षर लगाते हैं, जिससे सबको पता लग जाए कि जो मोटा कंपेंडियम है, उसको अमल में लाने के लिए उस राज्य में किन-किन कदमों को प्राथमिका दी जानी चाहिए। दो यूनियन टेरीटरीज में भी काम पूरा किया है। इसमें आप सबके सहयोग की आवश्यकता है।

अंत में, मैं आप सबको बहुत ही धन्यवाद देता हूं कि इतने ध्यान से आपने मेरे इस लंबे भाषण को सुना। धन्यवाद। नमस्कार।

उपसभाध्यक्ष (श्री कलराज मिश्र) : सदन की कार्यवाही 2.30 बजे तक स्थगित की जाती है।

The House then adjourned for lunch atfifty-eight minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty four minutes past two of the clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair

FELICITATIONS TO DEPUTY CHAIRMAN

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : आदरणीय उपसभापति महोदय, इससे पहले कि प्राइवेट मैम्बर्स बिजनेस शुरू हो, क्योंकि यह प्राइवेट मैम्बर्स बिजनेस का वक्त है, मै आपकी आज्ञा से, चूंकि आप आज उस आसंदी पर विराजमान हुए है, जिस पर इस देश की महान व्यक्तित्व वाली और प्रतिभाशाली विभूतियां विराजमान रही है, इस अवसर का लाभ लेते हुए, क्योंकि आपके हंसमुख स्वभाव का, विनम्रता का, सज्जनता का और सहजता का जिक्र हुआ है तो उसी संदर्भ में केवल दो पंक्तियां कहकर मैं आपके प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करना चाहूंगा:-

अजीम ओहदों पे आते रहना, जनाबे रहमान को मुबारक
अच्छे से सदन को चलाते रहना, जनाबे रहमान, आपको मुबारक।

श्री उपसभापति : शुक्रिया, शुक्रिया।

डा0 अखिलेश दास : सर, एक बधाई माननीय सुरेश पचौरी जी को भी दे दीजिए कि वे अच्छे शायद भी हो गए हैं।

श्री उपसभापति : अच्छे शायद हो गए हैं और वह भी उर्दू के अच्छे शायद हो गए हैं।